राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • मंगलवार • 14 फरवरी • 2023

ुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि द्योगिकी विवि के कल्याणपुर स्थित ाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक ाईएन शुक्ला ने किसानों को जायद सल की समय से बुवाई करने और ी फसल अपनाकर लाभ कमाने की दी है। उनका कहना है कि खीरे की े किसान भारी मुनाफा ले सकते हैं। ॉ. शुक्ला का कहना है कि किसान वोने में समय का विशेष ध्यान रखें। कहा कि जायद में खीरा फसल के वुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य ी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता ीरे के लिए आवश्यक है कि शील प्रजातियों का चयन करें। जैसे- पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्याणपुर हरा, ीरा-1, जापानी लांग ग्रीन आदि। उनके मुताविक वीज प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किग्रा के हिसाव से प्रयोग करना चाहिए। यदि किसान भाई मचान विधि से खीरे की खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता वनी रहती है। इससे वाजार भाव अच्छा मिलता है व लाभ होता है।

विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने वताया कि खीरे की फसल की अच्छी पैदावार के लिए उर्वरकों का प्रयोग आवश्यक है। इसके लिए दो से ढाई कुंतल गोवर की कंपोस्ट खाद, 50 किग्रा नाइट्रोजन, 60 किग्रा फॉस्फोरस तथा 60 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। खीरे की वेहतर फसल के लिए पानी की उपलव्धता वाले खेतों का चयन व सावधानी पूर्वक सिंचाई करते रहना भी जरूरी है।

वर्ष 17 अंक 44 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, मंगलवार 14 फरवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

2 'मैत्री' शो का कॉन्सेप्ट दो सहेलियों के इर्द-गिर्द घूमता है: श्रे

जायद की फसल में खीरे की खेती कर लाभ कमाएं: डॉ. आई.एन. शुक्ला

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज दिनांक 13 फरवरी 2023 को कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला ने किसानों से जायद की फसल की समय से बुवाई करने और खीरे की फसल अपनाकर लाभ कमाने की सलाह दी है। डॉक्टर शुक्ला का कहना है कि किसान फसल बोने में समय का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जायद में खीरा फसल हेतु बुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है। उन्होंने कहा कि खीरे की खेती से भारी मुनाफा ले सकते हैं। डॉक्टर शुक्ला ने बताया कि खीरे के लिए आवश्यक है कि उन्नतशील प्रजातियों का चयन करें। जैसे- स्वर्ण पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्याणपुर हरा,पंत खीरा- 1,जापानी लांग ग्रीन आदि हैं। उन्होंने सलाह दी है की बीज प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किलोग्राम प्रयोग होना चाहिए। डॉ शुक्ला ने बताया कि यदि किसान भाई मचान विधि से खीरे की खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता बनी रहती है जिससे बाजार भाव अच्छा मिलेगा और किसान भाई लाभान्वित होंगे।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि खीरे की फसल से अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उर्वरकों का प्रयोग आवश्यक है। 2 से ढाई कुंतल गोबर की कंपोस्ट खाद,50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भाई पानी उपलब्धता वाले खेतों का चयन करें तथा सावधानीपूर्वक सिंचाई करते रहना चाहिए।

जायद की फसल में खीरे की खेती कर लाभ कमाएंः डॉ. आई.एन. शुक्ला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज सोमवार को कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला ने किसानों से जायद की फसल की समय से बुवाई करने और खीरे की फसल अपनाकर लाभ कमाने की सलाह दी है। डॉक्टर शुक्ला का कहना है कि किसान फसल बोने में समय का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जायद में खीरा फसल हेतु बुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है। उन्होंने कहा कि खीरे की खेती से भारी मुनाफा ले सकते हैं। डॉक्टर शुक्ला ने बताया कि खीरे के लिए आवश्यक है कि उन्नतशील प्रजातियों का चयन करें। जैसे- स्वर्ण पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्याणपुर हरा,पंत खीरा-1,जापानी लांग ग्रीन आदि हैं। उन्होंने सलाह दी है की बीज प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किलोग्राम प्रयोग होना चाहिए। डॉ शुक्ला ने बताया कि यदि किसान भाई मचान विधि से खीरे की खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता बनी रहती है जिससे बाजार भाव अच्छा मिलेगा और किसान भाई लाभान्वित होंगे।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि खीरे की फसल से अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उर्वरकों का प्रयोग आवश्यक है। 2 से ढाई कुंतल गोबर की कंपोस्ट खाद,50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भाई पानी उपलब्धता वाले खेतों का चयन करें तथा सावधानीपूर्वक सिंचाई करते रहना चाहिए।

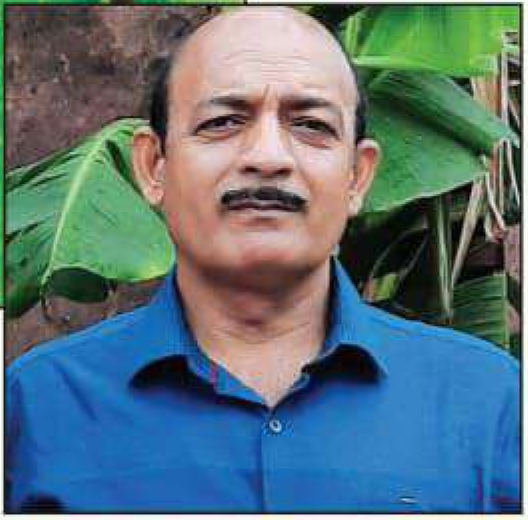

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, मंगलवार, 14 फरवरी 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

जायद की फसल में खीरे की खेती कर लाभ कमाएं...डॉ आई एन शुक्ला

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज दिनांक 13 फरवरी 2023 को कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला ने किसानों से जायद की फसल की समय से बुवाई करने और खीरे की फसल अपनाकर लाभ कमाने की सलाह दी है। डॉक्टर शुक्ला का कहना है कि किसान फसल बोने में समय का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जायद में खीरा फसल हेतु बुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है। उन्होंने कहा कि खीरे की खेती से भारी मुनाफा ले सकते हैं। डॉक्टर शुक्ला ने बताया कि खीरे के लिए आवश्यक है कि उन्नतशील प्रजातियों का चयन करें। जैसे- स्वर्ण पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्याणपुर हरा,पंत खीरा- 1,जापानी लांग ग्रीन आदि हैं। उन्होंने सलाह दी है की बीज प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किलोग्राम प्रयोग होना चाहिए। डॉ शुक्ला ने बताया कि यदि किसान भाई मचान विधि से खीरे की खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता बनी रहती है जिससे बाजार भाव अच्छा मिलेगा और किसान भाई लाभान्वित होंगे।विश्वविद्यालय के

मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि खीरे की फसल से अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उर्वरकों का प्रयोग आवश्यक है। 2 से ढाई कुंतल गोबर की कंपोस्ट खाद,50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भाई पानी उपलब्धता वाले खेतों का चयन करें तथा सावधानीपूर्वक सिंचाई करते रहना चाहिए।

जायद की फसल में खीरे की खेती कर कमाएं लाभ: डॉ. आई एन शुक्ला

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज दिनांक 13 फरवरी 2023 को कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला ने किसानों से जायद की फसल की समय से बुवाई करने और खीरे की फसल अपनाकर लाभ कमाने की सलाह दी है।

डॉक्टर शुक्ला का कहना है कि किसान फसल बोने में समय का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जायद में खीरा फसल हेतु बुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है। उन्होंने कहा कि खीरे की खेती से भारी मुनाफा ले सकते हैं। डॉक्टर शुक्ला ने बताया कि खीरे के लिए आवश्यक है कि उन्नतशील प्रजातियों का चयन करें। जैसे- स्वर्ण पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्याणपुर

हरा,पंत खीरा- 1,जापानी लांग ग्रीन आदि हैं। उन्होंने सलाह दी है की बीज प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किलोग्राम प्रयोग होना चाहिए। डॉ शुक्ला ने बताया कि यदि किसान भाई मचान विधि से खीरे की खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता बनी रहती है जिससे बाजार भाव अच्छा मिलेगा और किसान भाई लाभान्वित होंगे।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि खीरे की फसल से अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उर्वरकों का प्रयोग आवश्यक है। 2 से ढाई कुंतल गोबर की कंपोस्ट खाद,50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भाई पानी उपलब्धता वाले खेतों का चयन करें तथा सावधानीपूर्वक सिंचाई करते रहना चाहिए।

जायद की फसल में खीरे की खेती कर लाभ कमाएं

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आई एन शुक्ला ने किसानों से जायद की फसल की समय से बुवाई करने और खीरे की फसल अपनाकर लाभ कमाने की सलाह दी है। वैज्ञानिक ने बताया कि किसान फसल बोने में समय का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जायद में खीरा फसल हेतु बुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है। उन्होंने कहा कि खीरे की खेती से भारी मुनाफा ले सकते हैं।